Roll No. : ....

Total No. of Questions : **11**]　　　　[Total No. of Printed Pages : **7**

ED–3022

B.A. B.Ed. (IIIrd Year) Examination, 2022

HINDI LITERATURE

Paper - I (CC–1)

(आधुनिक काव्य)

Time : 3 Hours]　　　　[*Maximum Marks : 60*

खण्ड–अ　　　　**(अंक : 2 × 8 = 16)**

नोट :– सभी **आठ** प्रश्नों के उत्तर दीजिए (उत्तर-सीमा **50** शब्द)। प्रत्येक प्रश्न **2** अंक का है।

खण्ड–ब　　　　**(अंक : 4 × 5 = 20)**

नोट :– सभी **पाँच** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। प्रत्येक प्रश्न में विकल्प का चयन कीजिए (उत्तर-सीमा **200** शब्द)। प्रत्येक प्रश्न **4** अंक का है।

खण्ड–स　　　　**(अंक : 8 × 3 = 24)**

नोट :– पाँच में से किन्हीं **तीन** प्रश्नों के उत्तर दीजिए (उत्तर-सीमा **500** शब्द)। प्रत्येक प्रश्न **8** अंक का है।

खण्ड–अ

1. (i) 'वह तोड़ती पत्थर' कविता के रचनाकार कौन हैं ?

(ii) रामधारी सिंह दिनकर कौनसे काल के कवि हैं ?

(iii) प्रयोगवादी काव्यधारा का प्रणेता किसे माना गया है ?

(iv) महादेवी वर्मा द्वारा रचित चार प्रमुख रचनाओं के नाम लिखिए।

(v) निराला द्वारा रचित 'बादल राग' कविता का मूलभाव क्या है ?

(vi) प्रगतिवादी कविता की प्रमुख विशेषताएँ बताइए।

(vii) 'द्रुत झरो' कविता का मूलभाव अंकित कीजिए।

(viii) सूर्यकांत त्रिपाठी निराला कौनसे काल के कवि हैं ? उनके द्वारा रचित दो काव्य-ग्रन्थों के नाम अंकित कीजिए।

खण्ड–ब

2. जाएँ, सिद्धि पावें वे सुख से
दुखी न हों इस जन के दुख से,
उपालभ्य दूँ मैं किस मुख से ?
आज अधिक वे भाते।
सखि ! वे मुझसे कहकर जाते।
गये, लौट भी वे आवेंगे,
कुछ अपूर्व-अनुपम लावेंगे,
रोते प्राण उन्हें पावेंगे ?
पर क्या गाते-गाते,
सखि ! वे मुझसे कहकर जाते।

अथवा

अम्बर पनघट में डुबो रही
तारा-घट ऊषा नागरी !
खग-कुल कुल-कुल सा बोल रहा

किसलय का अंचल डोल रहा
लो यह लतिका भी भर लाई-
मधु मुकुल नवल रस गागरी
अधरों में राग अमंद पिये
अलकों में मलयज बन्द किये
तू अब तक सोई है आली
आँखों में भरे विहाग री।

3. मैं अनंत पथ में लिखती जो
सस्मित सपनों की बातें
उनको कभी न धो पायेंगी
अपने आँसू से रातें!
उड़-उड़कर जो धूल करेगी
मेघों का नभ में अभिषेक
अमिट रहेगी उसके अंचल-
में मेरी पीड़ा की रेख!

अथवा

वह तोड़ती पत्थर;
देखा उसे मैंने इलाहाबाद के पथ पर
वह तोड़ती पत्थर

नहीं छायादार

पेड़ वह जिसके तले बैठी हुई स्वीकार;

श्याम तन भर बंधा यौवन,

नत-नयन, प्रिय-कर्म-रत मन,

गुरु हथौड़ा हाथ,

करती बार-बार प्रहार।

4. भारत नहीं स्थान का वाचक, गुण विशेष नर का है,

एक देश का नहीं शील यह, भूमंडलभर का है।

जहाँ कहीं एकता अखंडित, जहाँ प्रेम का स्वर है,

किसको नमन करूँ मैं भारत, किसको नमन करूँ मैं ?

अथवा

नदी, तुम बहती चलो।

भूखंड से जो दाय हमको मिला है,

मिलता रहा है,

माँजती, संस्कार देती चलो;

यदि ऐसा कभी हो

तुम्हारे आह्लाद से या दूसरों के किसी

स्वैराचार से-अतिचार

से–

तुम बढ़ो, प्लावन तुम्हारा घरघराता उठे,
यह स्रोतस्विनी ही कर्मनाश कीर्तिनाशा
        घोर

5. पेशोला की उर्मियाँ हैं शांत, घनी छाया में—
तट तख चित्रित तरल चित्रसारी में,
झोपड़े खड़े हैं बने शिल्प से विषाद के—
दग्ध अवसाद से
धूसर जलद खंड भटक पड़े हों—
जैसे विजन अनंत में,

अथवा

भारत-माता ग्राम वासिनी।
खेतों में फैला है श्यामल
धूल भरा मैला सा आँचल,
गंगा यमुना में आँसू जल,
मिट्टी की प्रतिमा
        उदासिनी।
दैन्य जड़ित अपलक नत चितवन,
अधरों में चिर नीरव रोदन,

युग-युग के तम से विषण्णा मन,
    वह अपने घर में
        प्रवासिनी।

6. निशा को धो देता राकेश
चाँदनी में जब अलकें खोल,
कली से कहता था मधुमास
बता दो मधुमदिरा का मोल-
बिछाती थी सपनों के जाल
तुम्हारी वह करुणा कीकोर,
गई वह अधरों की मुस्कान
मुझे मधुमय पीड़ा में बोर

अथवा

कभी बासन अधिक घिसने से
मुलम्मा छूट जाता है
मगर क्या तुम नहीं पहचान पाओगी;
तुम्हारे रूप के, तुम हो, निकट हो, इसी जादू के
निजी किस गहरे बोध से,
किस प्यार से मैं कह रहा हूँ—
    अगर मैं यह कहूँ।

खण्ड–स

7. मैथिलीशरण गुप्त के काव्य की प्रमुख विशेषताओं पर प्रकाश डालिए।

8. जयशंकर प्रसाद द्वारा रचित 'पेशोला की प्रतिध्वनि' कविता का मूलभाव अंकित करते हुए प्रसाद के काव्य की विशेषताएँ बताइए।

9. 'प्रथम रश्मि' कविता का मूलभाव लिखते हुए इसमें व्यक्त पन्त की भावानुभूति पर प्रकाश डालिए।

10. रामधारी सिंह दिनकर द्वारा रचित 'कुरुक्षेत्र' का मूलभाव बताते हुए इस कविता में व्यक्त संदेश पर प्रकाश डालिए।

11. प्रयोगवादी कविता की प्रमुख विशेषताएँ लिखिए।